भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं.144

गुरुवार, 20 जुलाई, 2023/29 आषाढ़, 1945 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

अयोध्या को विश्व पर्यटन केंद्र बनाने की योजना

144 डा. सोनल मानसिंहः

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या अयोध्या को विश्व पर्यटन केंद्र बनाने के लिए केंद्र सरकार और राज्य सरकार द्वारा संयुक्त रूप से कई योजनाएं लागू की जा रही हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या केंद्र सरकार अयोध्या जैसे कई अन्य तीर्थस्थलों को विश्व पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए विभिन्न योजनाओं/प्रस्तावों पर काम कर रही है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या तीर्थस्थलों को "पर्यटन स्थल" माना जाना चाहिए; और

(च) क्या इससे वास्तविक तीर्थस्थल-साधकों की शांति और सुकून में बाधा आएगी?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) से (घ): पर्यटन मंत्रालय ने उत्तर प्रदेश राज्य में पर्यटन संबंधी अवसंरचना के विकास के लिए 'स्वदेश दर्शन' और 'तीर्थस्थान जीर्णोद्धार और आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रसाद) सम्बन्धी राष्ट्रीय मिशन' योजनाओं के अंतर्गत वित्तीय सहायता प्रदान की है।

स्वदेश दर्शन 2.0 के अंतर्गत, उत्तर प्रदेश राज्य में विकास के लिए प्रयागराज और नैमिषारण्य नामक गंतव्यों को चिन्हित किया गया है।

उत्तर प्रदेश राज्य (अयोध्या सहित) में उपर्युक्त योजनाओं के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं और आबंटित निधियों का ब्यौरा अनुबंध-**I** में दिया गया है।

संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की संग्रहालय अनुदान योजना के अंतर्गत "अयोध्या के अंतर्राष्ट्रीय राम कथा संग्रहालय तथा आर्ट गैलरी में डिजिटल रामायण गैलरी (डिजिटल इंटरवेंशन) के विकास" का कार्य केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा संयुक्त रूप से कार्यान्वित किया गया है। इसका ब्यौरा अनुबंध-**II** में दिया गया है।

(ङ) और (च): इन परियोजनाओं को उस स्थल के धार्मिक महत्व को ध्यान में रखते हुए और उसकी पवित्रता को बनाए रखते हुए अनुदान दिया जाता है तथा डिजाइन एवं निष्पादित किया जाता है।

****

अनुबंध-I

अयोध्या को विश्व पर्यटन केंद्र बनाने की योजना के सम्बन्ध में दिनांक 20.07.2023 के राज्य सभा के लिखित प्रश्न सं.144 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में विवरण

स्वदेश दर्शन योजना (करोड़ रुपये में)

क्र सं	राज्य/ संघ राज्य क्षेत्र	परिपथ/स्वीकृति वर्ष	परियोजना का नाम	स्वीकृत राशि	जारी की गई राशि
1.	उत्तर प्रदेश	बौद्ध परिपथ 2016-17	श्रावस्ती, कुशीनगर और कपिलवस्तु का विकास	87.89	72.56
2.	उत्तर प्रदेश	रामायण परिपथ 2016-17	चित्रकूट और श्रृंगवेरपुर का विकास	69.45	64.09
3.	उत्तर प्रदेश	आध्यात्मिक परिपथ 2016-17	उत्तर प्रदेश में शाहजहांपुर-बस्ती-आहर-अलीगढ़-कासगंज-सरोसी-प्रतापगढ़-उन्नाव-कौशांबी-मिर्जापुर-गोरखपुर-कैराना-डुमरियागंज-बागपत-बाराबंकी-आजमगढ़ का विकास	71.91	68.32
4.	उत्तर प्रदेश	आध्यात्मिक परिपथ 2016-17	उत्तर प्रदेश में बिजनौर-मेरठ-कानपुर-कानपुर देहात-बांदा-गाजीपुर-सलेमपुर-घोसी-बलिया-अंबेडकर नगर-अलीगढ़-फतेहपुर-देवरिया-महोबा-सोनभद्र-चंदौली-मिश्रिख-भदोही का विकास	67.51	64.14
5.	उत्तर प्रदेश	विरासत परिपथ 2016-17	कालिंजर किला (बांदा) - मगहरधाम (संत कबीर नगर) - चौरीचौरा, शहीद स्थल (फतेहपुर) – मऊहर स्थल (घोसी) - शहीद स्मारक (मेरठ) का विकास	33.92	32.27
6.	उत्तर प्रदेश	रामायण परिपथ 2017-18	अयोध्या का विकास	127.21	115.46
7.	उत्तर प्रदेश	आध्यात्मिक परिपथ 2018-19	जेवर-दादरी-सिकंदराबाद-नोएडा-खुर्जा-बांदा का विकास	12.03	11.43
8.	उत्तर प्रदेश	आध्यात्मिक परिपथ 2018-19	गोरखनाथ मंदिर (गोरखपुर), देवीपट्टन मंदिर (बलरामपुर) और वटवाशनी मंदिर (डुमरियागंज) का विकास	18.30	16.81
9.	उत्तर प्रदेश	मार्गस्थ सुविधाएं	सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के	15.07	14.32

	और बिहार	2018-19	सहयोग से उत्तर प्रदेश और बिहार में वाराणसी-गया; कुशीनगर-गया-कुशीनगर में मार्गस्थ सुविधाओं का विकास;		

प्रशाद योजना (करोड़ रुपये में)

क्र सं	राज्य	परियोजना का नाम	स्वीकृति वर्ष	अनुमोदित लागत	जारी की गई राशि
1.	उत्तर प्रदेश	मथुरा-वृंदावन का मेगा टूरिस्ट सर्किट के रूप में विकास (चरण-II)	2014-15	10.98	10.98
2.	उत्तर प्रदेश	वृंदावन में पर्यटक सुविधा केंद्र का निर्माण	2014-15	9.36	9.36
3.	उत्तर प्रदेश	वाराणसी का विकास - चरण -I	2015-16	18.72	18.72
4.	उत्तर प्रदेश	गंगा, वाराणसी में रिवर क्रूज पर्यटन	2017-18	9.02	9.02
5.	उत्तर प्रदेश	वाराणसी का विकास –चरण- II	2017-18	44.60	31.77
6.	उत्तर प्रदेश	गोवर्धन में अवसंरचना संबंधी सुविधाओं का विकास	2018-19	39.74	30.97

*****

अनुबंध-**II**

अयोध्या को विश्व पर्यटन केंद्र बनाने की योजना के सम्बन्ध में दिनांक 20.07.2023 के राज्य सभा के लिखित प्रश्न सं.144 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में विवरण

संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की संग्रहालय अनुदान योजना (लाख रुपये में)

क्र. सं.	परियोजना का नाम	स्वीकृति वर्ष	स्वीकृत राशि	जारी की गई राशि	भौतिक प्रगति	टिप्पणियां
1.	अंतर्राष्ट्रीय राम कथा संग्रहालय एवं आर्ट गैलरी, अयोध्या में डिजिटल रामायण गैलरी (डिजिटल हस्तक्षेप) का विकास	फरवरी 2019	1348.17 (केंद्र सरकार का हिस्सा - 800 लाख रुपये, राज्य सरकार का हिस्सा – 548 लाख रुपये)	879.62 (केंद्र सरकार द्वारा जारी की गई राशि - 400 लाख रुपये, राज्य सरकार द्वारा जारी की गई राशि – 479.62 लाख रुपये)	95%	कार्य प्रगति पर है

*****